सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 301 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 9 दिसम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

बिना न्याय के ज्ञान को बुद्धिमानी नहीं चालाकी कहा जाना चाहिए

-प्लेटो

ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज की 1-1 से... 7 | कांग्रेस को छोड़ना होगा बैसाखी... 3 | भाजपा को सरकार चलाना नहीं... 2

ममता को कमान!

इंडिया गठबंधन को फायदा या नुकसान

» मुखर व आक्रामक नेता हैं टीएमसी प्रमुख

» बंगाल में मोदी-शाह की सियासी जमीन दरकाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडिया गठबंधन में सियासी नेतृत्व की बागडोर क्या ममता बनर्जी के पास चली जानी चाहिए। इस विषय को लेकर मंथन जारी है और बात तेजी से आगे बढ़ रही है। यह सियासी डेवलपमेंट उस समय हुआ है जब किसान आंदोलन से देश धधक रहा है। महंगाई और बेरोजागरी जैसी मुददों पर जनता सरकार से सवाल कर रही है।

बीजेपी को चुनौती दे रहा इंडिया गठबधंन के भीतर की राजनीति को क्या बीजेपी सुलगा रही है? या फिर यह समय की मांग है? क्योंकि राहुल गांधी के नेतृत्व में इंडिया गठबधंन कई सियासी मौके चूक चुका है। ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन की अगुवाकार बनाने से फायदे और नुकसान दोनों हो सकते हैं। यह एक ऐसे अवसर को उत्पन्न कर सकता है, जिसमें क्षेत्रीय दलों को प्रमुख भूमिका मिलती है, लेकिन साथ ही कांग्रेस और राहुल गांधी के लिए एक चुनौती भी बन सकती है।

अध्यक्ष बनना चाहिए ममता बनर्जी को

तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ममता बनर्जी ने हाल ही में इंडिया गठबधंन की अध्यक्षता करने की मंशा जाहिर की थी। उसके बाद उनके समर्थन में तमाम नेताओं के वीडियो संदेश आना शुरू हो गये। सबसे पहले तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सागरिका घोष ने उनकी हां में हा मिलाते हुए उन्हें तत्काल अध्यक्ष बानने की बात कही। उसके बाद तृणमूल नेता और वर्धमान से सांसद कीर्ति आजाद ने भी एक वीडियो जारी कर कहा है कि कि ममता बनर्जी को गठबंधन का अध्यक्ष बनाया जाना चाहिए।

इंडिया गठबंधन में राहुल को मिल सकती है चुनौती

ममता के आने से कांग्रेस व राहुल को होगा नुकसान

यदि ममता बनर्जी को अगुवाकार बनाया जाता है, तो यह राहुल गांधी के लिए एक बड़ा धक्का हो सकता है। वह कांग्रेस के नेतृत्व के लिए संघर्ष कर रहे हैं, और ममता का सामने आना कांग्रेस और राहुल गांधी के लिए एक चुनौती बन सकता है, क्योंकि पार्टी में पहले से ही नेतृत्व को लेकर प्रश्न उठते रहे हैं। इससे गठबंधन में असहमति भी उत्पन्न हो सकती है। ममता बनर्जी की अगुवाई से गठबंधन में विभाजन हो सकता है, क्योंकि कई क्षेत्रीय दलों की अपनी-अपनी महत्वाकांक्षाएं हैं। यह कांग्रेस और अन्य दलों के बीच असहमति का कारण बन सकता है, जिससे गठबंधन का एकजुटता पर असर पड़ सकता है। ममता बनर्जी की छवि एक मजबूत और आक्रामक नेता की है, जो कभी-कभी भाजपा और अन्य दलों के खिलाफ कठोर बयान देती हैं।

पीएम मोदी को बार-बार हराया है

कीर्ति आजाद ने कहा है कि इंडिया गठबधंन में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर गंभीर चर्चा हो रही है। वरिष्ठ नेताओं में, खासकर भारतीय राजनीति के दिग्गज और सबसे अनुभवी शरद पवार ने यह कहा है कि ममता बनर्जी को इंडिया गठबधंन का अध्यक्ष बनाया जाना चाहिए। उनके अनुसार, बदलाव की आवश्यकता है, और ममता बनर्जी ही वह नेता हैं जिन्होंने बार-बार नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के प्रयासों को नाकाम किया है। सागरिका घोष ने एक वीडियो बयान जारी कर एनसीपी (एसपी) नेता शरद पवार का जिक्र करते हुए कहा कि तमाम नेता यही चाहते हैं कि ममता बनर्जी इंडिया गठबधंन का नेतृत्व करें।

ममता के आगे आने से होगा लाभ

- ममता बनर्जी की पश्चिम बंगाल में मजबूत पकड़ है। अगर वह इंडिया गठबंधन की अगुवाकार बनती हैं, तो इसका फायदा गठबंधन को बंगाल में मिल सकता है, जहां तृणमूल कांग्रेस बड़ी ताकत है। इससे बंगाल में भाजपा को चुनौती देने में मदद मिल सकती है।
- ममता बनर्जी ने हमेशा केंद्र सरकार के खिलाफ आवाज उठाई है। उनकी आक्रामक राजनीति और मोदी सरकार के खिलाफ रुख को कई राज्यीय नेताओं के बीच समर्थन मिल सकता है, खासकर उन राज्यों में जहां भाजपा की पकड़ कमजोर है। इससे गठबंधन को एक मजबूत नेतृत्व मिल सकता है।
- ममता बनर्जी एक प्रमुख महिला नेता हैं और उनकी नेतृत्व क्षमता भारतीय राजनीति में एक नई दिशा दे सकती है। वह दक्षिण और पूर्व भारत में भाजपा के खिलाफ एक विकल्प के रूप में उभर सकती हैं, जो पहले से ही राहुल गांधी के नेतृत्व में पश्चिम और अन्य हिस्सों में सक्रिय हैं।

सर्वसम्मति से चुना जाए गठबंधन का नेता : तेजस्वी यादव

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी समेत कोई भी वरिष्ठ नेता 'इंडिया' गठबंधन का नेतृत्व कर सकता है, इसपर उन्हें कोई आपत्ति नहीं है, हालांकि फैसला सर्वसम्मति से लिया जाना चाहिए। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव ने कहा, इंडिया गठबंधन ने इस मामले पर विचार नहीं किया है और सभी पक्षों के साथ चर्चा होनी है। उन्होंने कहा, ममता बनर्जी गठबंधन करेंगी, तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन यह बात ध्यान रखनी चाहिए कि गठबंधन में भाजपा विरोधी कई वरिष्ठ नेता हैं, ऐसे में नेता चुनने के बारे में बैठकर बात करनी चाहिए और सामूहिक रूप से फैसला लेना चाहिए। यादव से पूछा गया कि अगर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी गठबंधन का नेतृत्व करें, तो क्या उसमें शामिल प्रमुख दल राजद समर्थन के लिए तैयार है, इसपर उन्होंने कहा, हमने अब तक भविष्य के नेतृत्व के मुद्दे पर सामूहिक रूप से कोई निर्णय नहीं लिया। लेकिन जब नेता और भविष्य के रोडमैप पर बात होगी, तो सर्वसम्मति से इस बारे में कोई भी फैसला लिया जाएगा।

नेता प्रतिपक्ष पर बेकार की बयानबाजी : इमरान मसूद

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा है कि राहुल गांधी जितनी मेहनत कोई नहीं कर रहा है। इमरान मसूद ने ममता बनर्जी के विपक्षी गठबंधन के नेतृत्व पर कहा यह सब बेकार की बयानबाजी है इससे कोई फायदा नहीं होने जा रहा। महाराष्ट्र सपा नेता अबू आजमी के बाद सपा के राष्ट्रीय महासचिव राम गोपाल यादव ने भी कांग्रेस के अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने पर सवालिया निशान लगाया है। रामगोपाल के बयान पर कांग्रेस सांसद ने जवाब देते हुए पूछा है कि कांग्रेस ही तो काम कर रही है, अब कौन काम कर रहा है? राहुल जी तो खुद इस मुद्दे पर बोल रहे हैं।

कांग्रेस को गंभीर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए : डी. राजा

भाकपा के महासचिव डी राजा ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे गठबंधन के अध्यक्ष हैं और उन्हें मुद्दों पर जवाब देना चाहिए। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि कांग्रेस को अपने सहयोगियों के प्रति अधिक उदार होना चाहिए और कुछ गंभीर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। कांग्रेस को गंभीरता से आत्मचिंतन करना होगा और इस बात पर विचार करना होगा कि विधानसभा चुनावों में सीटों का बंटवारा ठीक से क्यों नहीं किया गया।

भाजपा को सरकार चलाना नहीं आता : अखिलेश

» यूपी में एस्मा लगाने पर सपा प्रमुख ने सीएम योगी को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सरकार ने अगले छह महीने तक अनिवार्य सेवा अनुरक्षण क़ानून (एस्मा) लागू किया है। इसके बाद छह महीने तक हड़ताल पर रोक लग गई। एस्मा कानून लागू पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने इसे यूपी के खराब हालात बताया।

पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा मुखिया ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट किया। लिखा कि एस्मा लागू करना इस बात का संकेत है कि यूपी में खराब हालात लगातार बढ़ रहे हैं। भाजपा जोड़-तोड़ और हेराफेरी करके सरकार बना तो लेती है, लेकिन उसे सरकार चलाना नहीं आता। उप्र सरकार का ये फ़रमान अपने आप में उप्र में लगातार बढ़ते खराब हालातों को बयां कर रहा है कि अगले 6 महीनों तक अनिवार्य सेवा अनुरक्षण क़ानून के तहत हड़ताल पर प्रतिबंध होगा।

कभी भी फट सकता है अफसर-कर्मियों के बीच आक्रोश का सुषुप्त ज्वालामुखी

लिखा कि सरकार को पता है कि कर्मचारियों-अधिकारियों के बीच विरोध और आक्रोश का सुषुप्त ज्वालामुखी कभी भी फट सकता है। इसीलिए अपने अधीन लोगों पर ही पाबंदी लगा रही है। प्रदेश ही देशभर के विभिन्न सरकारी विभागों और अर्द्धसरकारी संस्थानों पर काम करने वाले लोग खराब नीतियों से मजबूर परेशान हैं। उनमें असंतोष फैल रहा है। जो कभी भी हड़ताल बनकर उभर सकता है। इसीलिए सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया है।

किसानों के खिलाफ है डबल इंजन सरकार : अवधेश प्रसाद

यूपी के अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद ने किसानों के विरोध पर भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार किसानों के खिलाफ है। जब तक किसान खुश नहीं हैं, तब तक यह देश खुश नहीं होगा। कहा कि सपा ने पहले भी किसानों और जानवरों के खिलाफ किसानों की मदद करने के लिए सरकार की नीति के बारे में सवाल उठाए थे। कहा कि सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सरकार से पूछा था कि अन्ना पशुओं से फसल को बचाने के लिए सरकार के पास क्या नीति है? लेकिन, सरकार ने कोई बात नहीं सुनी। सांसद ने कहा कि अवारा पशु किसानों की फसल नष्ट कर रहे हैं। साथ ही हमला करके उनकी जान भी ले रहे हैं। पांच हजार से अधिक किसानों को अवारा सांड ने हमला करके मौत के घाट उतार दिया। हमने सरकार को 52 लोगों की सूची दी थी। मांग की थी कि इनके परिवारों के कम से कम 10 लाख रुपये मुआवजे के तौर पर दिए जाएं। लेकिन, सरकार ने उस पर भी कोई ध्यान नहीं दिया।

निजीकरण से बढ़ी बेरोजगारी

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के एजेंडे में नौकरी और रोजगार नहीं है। यूपी-बिहार हो या पूरा देश, जहां-जहां भाजपा की सरकार है, वहां एक जैसी स्थिति है। कभी पेपर लीक कराकर, कभी कॉपी बदलवाकर, कभी आरक्षण का हक मारकर, कभी रिजल्ट रोककर या उसे कोर्ट में घसीटकर भाजपा के लोग नौकरियों को फंसा देते हैं। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की बिजली व्यवस्था को निजी हाथों में सौंपने की तैयारी कर ली है। इससे कुछ पूंजी घरानों को मनमाने दामों पर बिजली देने की छूट मिल जाएगी। जनता के शोषण से भाजपा को कुछ लेना-देना नहीं। भाजपा कुछ कंपनियों को बिजली व्यवस्था सौंप देगी तो वे सरकारी कर्मचारियों को निकाल कर आउटसोर्सिंग से कर्मचारी रखेंगे। इससे बेरोजगारी बढ़ेगी।उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जाएगी, तभी नौकरी आएगी। भाजपा सरकार नौजवानों को ठगने का काम कर रही है। चुनावी संकल्प पत्र के वादे उसे याद नहीं रहे। कई करोड़ नौकरी देने का वादा भूल गई। अब प्रदेश के युवाओं को ज्यादा वेतन का प्रलोभन देकर उन्हें इस्राइल और यूक्रेन की युद्धभूमि में भेज रही है।

राजनीतिक साजिश के तहत मुझे फंसा रही सरकार : माता प्रसाद

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा है कि विधानसभा सचिवालय के समीक्षा अधिकारी प्रवेश कुमार मिश्रा के खिलाफ लखनऊ की कोतवाली, महानगर में धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज हुई है। इसमें मिश्रा को उनका रिश्तेदार होना बताया गया है, जबकि वह उनका कोई रिश्तेदार नहीं है। एफआईआर में उनका नाम राजनीतिक साजिश के तहत शामिल किया गया है। विधानसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में उन्होंने कहा है कि प्रकरण में निष्पक्ष जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाए। नेता विरोधी दल एक सवैधानिक पद है और बिना किसी उचित साक्ष्य और सक्षम अधिकारी से अनुमति प्राप्त किए बिना किसी व्यक्ति के कहने पर उनका नाम दर्ज करना, मीडिया में प्रसारित कराना उनके पद की गरिमा के प्रतिकूल है। इसमें राजनीतिक षड्यंत्र भी दिखाई दे रहा है। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से आग्रह किया है कि जांच उच्चाधिकारियों से कराने के साथ ही विधानसभा सचिवालय में एक उच्चस्तरीय समिति गठित कर प्रत्येक पहलू की जांच कराई जाएऔर प्रत्येक दोषी व्यक्ति के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

हिंदुत्व और हिंदू धर्म में बहुत अंतर : इल्तिजा मुफ्ती

» बोलीं- धर्म को विकृत नहीं करना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की नेता इल्तिजा मुफ्ती ने हिंदुत्व के खिलाफ अपनी विवादित टिप्पणी से विवाद खड़ा होने के बाद अपना रुख स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने हिंदुत्व की विचारधारा के खिलाफ बात की थी, न कि हिंदू धर्म के खिलाफ। पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ्ती ने कहा कि हिंदुत्व और हिंदू धर्म में बहुत अंतर है।

हिंदुत्व एक नफरत की विचारधारा है, जिसे 1940 के दशक में भारत में फैलाया, जिसका उद्देश्य हिंदुओं का वर्चस्व स्थापित करना था और यह विचारधारा थी कि भारत हिंदुओं का है। इसके विपरीत हिंदू धर्म भी इस्लाम की तरह एक धर्म है, जो धर्मनिरपेक्षता, प्रेम और करुणा को बढ़ावा देता है।

कांग्रेस ने मुफ्ती का दिया साथ

इस बीच, इल्तिजा के बयान के बाद, कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा, उन्होंने हिंदू धर्म की प्रशंसा की है। वह एक युवा नेता हैं और मुफ्ती मोहम्मद सईद की पोती हैं...हम सभी को एक-दूसरे के धर्मों का सम्मान करना चाहिए।

पीडीपी नेता ने अपमानजनक भाषा के लिए माफी मांगे : रैना

भाजपा नेता रविंदर रैना ने मुफ्ती के बयान की आलोचना करते हुए कहा कि पीडीपी नेता ने हिंदू धर्म के लिए बहुत अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है और उनसे माफी मांगने की मांग की। रैना ने कहा, पीडीपी नेता ने बहुत अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है। इस तरह की भाषा का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। राजनीति में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए...पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ्ती को अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगनी चाहिए।

उत्पीड़न के मुद्दों पर चुप हैं दलित वर्ग के सांसद : मायावती

» बोलीं- मुस्लिम वोट के लिए संभल-संभल चिल्ला रही सपा-कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि जिन लोगों की वजह से संसद में दलित वर्ग के सांसद पहुंचे हैं। वह अपनी-अपनी पार्टियों के आकाओं को खुश करने के लिए दलित उत्पीड़न के मुद्दों पर चुप बैठे हैं। यूपी की पूर्व सीएम ने कहा चाहे दलितों के उत्पीड़न का मामला अपने देश का हो या फिर बंगलादेश का। बांग्लादेश में सभी वर्गों के हिंदू लोग जुल्म-ज्यादती का शिकार हो रहे हैं।

इसमें ज्यादातर वो दलित हैं, जिनकी भारत देश में बाहुल्यता है। इसके बाद भी बंटवारे में जबरन उनको बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को संविधान सभा में चुनकर भेजने की सजा के तौर पर पाकिस्तान को दे दिया गया था। बाबा साहेब संविधान सभा में बंगाल के जिस जयसोर-खुलना क्षेत्र से चुनकर आए, तो उसे हिंदू बाहुल्य क्षेत्र होने के बावजूद भी, षडयंत्र के तहत पहले पाकिस्तान के हवाले कर दिया। अब बांग्लादेश में है। इससे बाबा साहेब इस्तीफा देकर भारत वापस आ गए। यह सब जातिवादी खेल कांग्रेस पार्टी का था। अब वहां दलितों का शोषण हो रहा है तो मुख्य विपक्षी पार्टी इस पर चुप है। केवल मुस्लिम वोट के लिए संभल-संभल चिल्ला रही है। इस मामले में कांग्रेस, सपा व इनके समर्थक दल एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं।

हिंदुओं को भारत वापस लाया जाए

उन्होंने मांग की है कि भाजपा व उनके नेतृत्व में चल रही केंद्र सरकार अपनी जिम्मेवारी को आगे बढ़चढ़ के निभाए। ताकि सबसे ज्यादा शोषण का शिकार हो रहे दलित व अन्य लोगों को राहत मिले। भाजपा को वहां की सरकार से बात करके भारत वापस लाया जाए। अन्यथा दलितों के मामले में कांग्रेस व बीजेपी में हमारी पार्टी कोई अंतर नहीं समझेगी। भारत की तरफ से उन सबकी सुरक्षा व उन्हें हर प्रकार से संरक्षण देना जरूरी है।

सतर्क रहें मुस्लिम समाज के लोग

बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने मीडिया को संबोधित किया। कहा कि इस समय संसद चल रहा है। संसद में विपक्ष देश व यहां जनहित के मुद्दे ना उठाकर अपने राजनैतिक स्वार्थ में संभल में हुई हिंसा की आड़ ले रहा है। खासकर सपा व कांग्रेस पार्टी मुस्लिम वोटों को रिझाने में लगी है। इतना ही नहीं ये पार्टियां मुस्लिम समाज को भी (तुर्क व नॉन तुर्क) वहां आपस में लड़ा रही हैं। इससे मुस्लिम समाज को भी सतर्क रहना है।

सिंधिया को लेकर कांग्रेस कर रही भ्रामक प्रचार : बीडी शर्मा

» भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने नेताओं को दी नसीहत न दें प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल । विजयपुर उपचुनाव में हार के बाद केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को लेकर प्रतिक्रिया देने पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने पार्टी के नेताओं को नसीहत दी है। एक बयान जारी कर शर्मा ने विजयपुर विधानसभा उपचुनाव के बारे में कांग्रेस द्वारा प्रायोजित निराधार और भ्रामक खबरों पर सख्त प्रतिक्रिया दी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि कांग्रेस अपनी असफलताओं से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह की खबरें फैला रही है।

भाजपा कार्यकर्ताओं से उन्होंने अपील की कि वे इस तरह के आधारहीन और तथ्यहीन विषयों पर किसी भी तरह की प्रतिक्रिया और टिप्पणी से बचें। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपनी नाकारा नेतृत्व को छिपाने के लिए अब असत्य खबरों को बढ़ावा दे रही है और भाजपा के भीतर अंतर्कलह का प्रचार कर रही है।

सिंधिया नहीं गए थे प्रचार करने सबनानी ने दिया था बयान

विजयपुर उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी और तत्कालीन वन मंत्री रामनिवास रावत हार गए थे और इस दौरान केंद्रीय मंत्री सिंधिया प्रचार करने नहीं गए थे। सिंधिया ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि उन्हें प्रचार करने के लिए बुलाया ही नहीं गया था। इसके बाद भाजपा प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी ने कहा था कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा और मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सिंधिया को प्रचार करने के लिए बुलाया था, लेकिन उन्होंने व्यस्तता बता कर आने से मना कर दिया था।

कांग्रेस को छोड़ना होगा बैसाखी का सहारा!

बीजेपी की कमियों पर करना होगा और तेज प्रहार

- लोस की बढ़त बचाने को बदलनी होगी रणनीति
- सहयोगी दलों को जोड़ने में बनानी होगी अहम भूमिका
- सपा और टीएमएसी को सधाना होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पहले हरियाणा और फिर महाराष्ट्र में इंडिया गठबंधन को विधानसभा चुनावों में झटका लगा है। हांलांकि सबसे ज्यादा नुकसान सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस को हुआ है। उसने लोकसभा चुनाव में जो बढ़त हासिल की थी वह विधान सभा चुनावों में कायम नही रही हालांकि गनीमत यह रही कि झारखंड व जम्मू-कश्मीर में इंडिया गठबंधन की सरकार तो बनी पर कांग्रेस के सहयोगी दल झामूमो व नेशनल कॉफ्रेंस को ज्यादा लाभ मिला। उधर यूपी उपचुनाव में भी कांग्रेस व सपा के गठबंधन को झटका लगा।

इन परिणामों को लेकर इंडिया गठबंधन में रार मच गई है। जहां लोस सभा में शीतकालील सत्र के दौरान सपा व तृणमूल कांग्रेस ने कांग्रेस के साथ कई मुद्दों पर असहति दिखाते हुए उससे दूरी बना रखी। वहीं टीएमसी नेता व बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन की कमान संभालने की इच्छा जताई तो कांग्रेस ने पलटवार करते हुए उन्हें भाजपा का एजेंट बता दिया। इन सबके बीच राजनीतिक गलियारे में अब चर्चा यह हो रही है कि कांग्रेस को अकेले दम पर चुनाव लड़ने चाहिए ताकि वह बीजेपी को मात देकर देश में एक विकल्प दे सके। माना कि सत्ता प्राप्ति के लोभ में क्षेत्रीय दलों से गठबंधन यानी यूपीए/महागठबंधन की सोच तो सही है, लेकिन इनके इशारे पर कांग्रेस संगठन को हांकना कतई सही नहीं है। कांग्रेस इससे इंकार कर सकती है, लेकिन वह आज इसी की पूरी सियासी कीमत अदा कर रही है। कांग्रेस एक पुरानी राजनीतिक पार्टी है, जिसका देशव्यापी जनाधार है। लेकिन वह जीत और गठबंधन की मृगमरीचिका में आखिर कब निकलेगी। यह एक यक्ष प्रश्न है? आखिर कमजोर सियासी बैशाखियों के सहारे उसकी जीत कितना मुकम्मल कहलाएगी और स्थायी बन पाएगी, यह उससे भी ज्यादा विचारणीय पहलू है! वैसे भी जब कांग्रेस विभिन्न महत्वपूर्ण राज्यों में क्षेत्रीय दलों की वैशाखी ढूंढती है या फिर मुद्दों के बियाबान में भटकती और फिर स्टैंड बदलती नजर आती है।

राहुल को राजनीति का कच्चा खिलाड़ी समझते हैं सहयोगीः भाजपा

भाजपा ने इंडिया गठबंधन में नेतृत्व को लेकर ममता के बयान पर कहा- विपक्ष के नेताओं को राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के नेतृत्व पर भरोसा नहीं है। वे अब भी राहुल को राजनीति का कच्चा खिलाड़ी समझते हैं। विपक्ष में कई लोग हैं जो राहुल को राजनीतिक विफलता मानते हैं।

राहुल गांधी को राजनीति के कुछ सबक सीखने होंगे

जैसे एक शातिर बंटाईदार अपने भूस्वामी की भूमि पर भी कब्जा कर लेता है और इसमें जब वह असफल होता है तो जमीन मालिक से कम कीमत में उसकी रजिस्ट्री करवाना चाहता है। अनुभवहीन भूस्वामियों को ऐसा करते हुए भी देखा सुना है। ठीक इसी प्रकार लालू प्रसाद और स्व. मुलायम सिंह यादव जैसे नेताओं ने कांग्रेस के साथ किया और आज क्षेत्रीय सियासी जमींदार बन बैठे हैं। ऐसा इसलिए सम्भव हो सका, क्योंकि निहित स्वार्थवश कुछ नेता यही चाहते थे। उनके तिकड़म को सोनिया गांधी नहीं समझ सकीं! वहीं, आज जब राहुल-प्रियंका गांधी की कांग्रेस की रीति नीति देखता हूँ तो इनकी राजनीतिक जमींदारी के हश्र को महसूस भी करता हूँ। कांग्रेस माने या न माने, लेकिन समाजवादी, वामपंथी और राष्ट्रवादी सियासी जमींदारों ने उसकी राजनीतिक जमींदारी को क्षत-विक्षत करने में अहम भूमिका निभाई है और हैरत की बात यह है कि वह समझ नहीं पाई और नादान बनी रही। जबकि इसके खिलाफ ठोस और जमीनी रणनीति बनानी चाहिए। जैसे कि उसके बाद जन्मी भाजपा ने किया है।

कांग्रेस को बदलनी होगी रणनतिति

कांग्रेस जैसी राजनीतिक पार्टी, जिसे देश की आजादी का श्रेय प्राप्त है, जब जनजीवन व राष्ट्रीय हितों से इतर प्रमुख जातीय, सांप्रदायिक और क्षेत्रीय समीकरणों पर खेलने लगी, तो उसकी जोड़-तोड़ से सत्ता तो बदलती रही, परंतु जनाधार छीजता चला गया। क्योंकि उसके प्रति निष्ठावान रहे प्रतिभाशाली पेशेवर, कारोबारी, प्रशासक और समाजसेवी आदि उससे दूर होते चले गए। चूंकि पहले क्षेत्रीय दलों और उसके बाद भाजपा ने उन्हें तवज्जो दी, इसलिए वो सब इनके साथ जुड़ गए, जिससे इन्हें अप्रत्याशित मजबूती मिली और कांग्रेस को कमजोरी मुबारक हुई।

कांग्रेस अध्यक्ष का पार्टी में अनुशासन पर जोर

कांग्रेस अध्यक्ष पार्टी में अनुशासन पर जोर देते हुए संकेत दिया कि पार्टी के लोग अपने स्तर पर अनुशासन में बंधें। वैसे तो पार्टी के पास अनुशासन का हथियार है, लेकिन हम नहीं चाहते कि अपने साथियों को किसी बंधन में डाले। वहीं, खरगे ने कांग्रेस की एक और बड़ी कमी की ओर इशारा करते हुए कहा कि पार्टी अपने पक्ष के माहौल को नहीं भुना पाती। उनका कहना था कि चुनावों में माहौल हमारे पक्ष में था। लेकिन केवल माहौल पक्ष में होना भर ही जीत की गारंटी नहीं होती। इसलिए अब पार्टी में जवाबदेही तय करने का वक्त आ गया है। क्योंकि पार्टी में अनुशासन की कमी है। पार्टी के भीतर आपसी गुटबाजी एक स्थायी भाव बन चुकी है।

शिवसेना यूबीटी व सपा का ममता को समर्थन

ममता बनर्जी के बयान का शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत और समाजवादी पार्टी ने समर्थन किया है। राउत ने शनिवार को कहा, हम भी चाहते हैं कि वे विपक्षी इंडिया गठबंधन की प्रमुख भागीदार बनें। चाहे वह ममता बनर्जी हों, अरविंद केजरीवाल हों या शिवसेना, हम सभी एक साथ हैं। हम जल्द ही कोलकाता में ममता बनर्जी से बात करने जाएंगे। वहीं, सपा नेता उदयवीर सिंह ने भी ममता बनर्जी के बयान का समर्थन किया। उन्होंने शनिवार को कहा, लोकसभा चुनाव में यूपी की 80 सीटों में से सपा ने 37 सीटें जीतीं। पश्चिम बंगाल में TMC ने 42 सीटों में से 29 सीटें जीतीं। भाजपा को इन दो राज्यों में 35 सीटों का नुकसान हुआ। सभी दल सहमत हों तो सपा ममता का समर्थन करेगी।

कांग्रेस की राह पर जा रही भाजपा

अब जब कांग्रेस की ट्रॉपी भाजपा बनती जा रही है तो भी कांग्रेस के थिंक टैंक को असली मुद्दे समझ में नहीं आ रहे हैं। शायद उसकी इसी मनोवृत्ति पर चोट करते हुए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि कांग्रेस को पुराने ढर्रे की राजनीति बंद करनी होगी और नए ढर्रे बनाने होंगे। अन्यथा सियासी सफलता मुश्किल है। लिहाजा कांग्रेस की इसी कमजोरी को मजबूती में बदलने का आह्वान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने किया है। हाल ही में हरियाणा और महाराष्ट्र में पार्टी और गठबंधन की हुई करारी हार के बाद हुई पहली कांग्रेस वर्किंग कमिटि की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दो टूक कहा कि अब पार्टी में जवाबदेही तय करने का वक्त आ गया है। क्योंकि इन दोनों ही राज्यों में महज चंद महीने पहले पार्टी का प्रदर्शन काफी संतोषजनक रहा था। लेकिन अब जो नई दुर्गति सामने आई है, वह हमें नए सिरे से सोचने पर मजबूर करती है।

जमीनी नेताओं के पास रणनीति, उसे भुनाना होगा

कांग्रेस के जमीनी नेताओं के पास रणनीति और जनाधार दोनों है, इसलिए वो अपने व्यक्तिवादी मिशन में सफल रहे, लेकिन कांग्रेस दिन ब दिन डूबती चली गई। राजनीतिक परिस्थिति वश कभी दो डग आगे तो चार कदम पीछे चलने को अभिशप्त हो गई। इस बात में कोई दो राय नहीं कि किसी भी स्थापित दल को चलाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय लायजनरों की जरूरत पड़ती है, लेकिन इनके निहित स्वार्थों के ऊपर यदि ब्लॉक, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर जनाधार रखने वाले नेताओं की उपेक्षा की जाएगी तो फिर वोट कहाँ से आएगा, यह सोचने की फुर्सत सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के पास नहीं होगी। अतीत पर नजर डालें तो एक जमाना था जब गांव-गांव में कांग्रेस के मजबूत शुभचिंतक थे, लेकिन पार्टी की अव्यवहारिक रीति-नीति के चलते वह इससे दूर होते चले गए। दो टूक कहें तो भाजपा में या क्षेत्रीय दलों में शिफ्ट हो गए। ऐसे में आज कांग्रेस के पास सिर्फ उन धनपशुओं की टोली बची है, जिनको दूसरी राजनीतिक पार्टियां कभी तवज्जो नहीं देतीं। इनका काम कांग्रेस की सत्ता और संगठन के बड़े नेताओं के शाही खर्चों का इंतजाम करना भर है और इसलिए इनके समर्थक ब्लॉक, जिला, राज्य व राष्ट्रीय संगठनों पर हावी हैं।

'ममता बीजेपी की एजेंट', इंडिया गठबंधन की नेता बनने के प्रस्ताव पर कांग्रेस का पलटवार

कांग्रेस के नेता और पूर्व सांसद संदीप दीक्षित ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने अपनी पार्टी की गंठबंधन सहयोगी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) चीफ ममता बनर्जी के लिए भी बड़ी बात कही है। संदीप दीक्षित ने ममता बनर्जी को बीजेपी का एजेंट करार दिया है। ममता बनर्जी की ओर से इंडिया गठबंधन की नेता बनने को लेकर जताई गई इच्छा पर संदीप दीक्षित ने कहा, सीनियर लीडर तय करेगें कि इंडिया अलांयस का नेता कौन होगा, उन्होंने ममता बनर्जी पर कुछ गंभीर आरोप भी लगाए हैं। संदीप दीक्षित ने दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को लेकर कहा कि शहर को बिगाड़ने वाला सिर्फ अरविंद केजरीवाल है,

शहर की पहचान इस बात से होती है कि वह रहने लायक है, काम करने लायक है, उसने सब बिगाड़ दिया है, हवा, सड़कें, सब कुछ खराब है। दिल्ली की खराब कानून व्यवस्था के लिए अरविंद केजरीवाल और आप सरकार भी जिम्मेदार है, उन्होंने तो कानून व्यवस्था भी ठीक करने की बात कही थी। पुलिस बेशक केंद्र सरकार के पास हो, लेकिन केजरीवाल का सीसीटीवी कैमरा अपराध क्यों नहीं पकड़ता है, कांग्रेस हमेशा दिल्ली की कानून व्यवस्था का मुद्दा उठाती है। संदीप दीक्षित ने आगे कहा कि ममता बनर्जी ज्वलंत मुद्दे क्यों नहीं उठाती हैं, वह ज्वलंत मुद्दों पर कुछ क्यों नहीं बोलती हैं, वह जमीन पर संघर्ष नहीं करती हैं। ममता बनर्जी बीजेपी की एजेंट हैं। बता दें कि ममता बनर्जी ने हाल ही में एक टीवी को दिए इंटरव्यू में कहा था, मैंने इंडिया ब्लॉक का गठन किया था, अब मोर्चा का नेतृत्व करने वालों पर इसका प्रबंधन करने की जिम्मेदारी है, अगर वे इसे नहीं चला सकते, तो मैं क्या कर सकती हूं? मैं सिर्फ इतना कहूंगी कि सभी को साथ लेकर चलना होगा। अगर मौका मिला तो मैं इसके सुचारू संचालन को सुनिश्चित करूंगी। मैं बंगाल से बाहर नहीं जाना चाहती, लेकिन मैं इसे यहीं से चला सकती हूं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सुरक्षित नहीं रही देश की राजधानी दिल्ली!

गत कुछ महीनों से देश की राजधानी दिल्ली में क्राइम का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। कई मोहल्लों में जरा-जरा सी बात पर हिंसा की वारदातें घट रही हैं। बदमाशों का मन इतना बढ़ चुका है कि वह दिनदहाड़े कारोबारियों को गोली मारे जा रहे हैं। व्यापारियों को किडनैप करके फिरौती मांगी जा ही है। इन सब पर सियासी वार-पलटवार भी शुरू हो गया है। जहां कोई कह रहा है कि दिल्ली की कानून व्यवस्था केंद्र सरकार के जिम्मे है। सबसे ज्यादा जिम्मेदारी गृहमंत्रालय की है। गृहमंत्रालय का दावा है कि सब ठीक है पर दिल्ली की सत्ता में बैठी आप के कुछ लोग जबरदस्ती गलत खबरें फैला रहे हैं। केंद्र की सत्ता में बैठे भाजपा सरकार को चाहिए कि आतंरिक सुरक्षा व कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की होती है।

ऐसे में अगर केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा प्राप्त दिल्ली में सुरक्षा को व्यवस्थित करना है तो वहां की सरकार को पुलिस व्यवस्था संभालने की आजादी दे देनी चाहिए, ताकि उसकी जवाबदेही तय की जा सके । क्यों कि अभी कानून की व्यवस्था संभालने का काम गृहमंत्रालय के पास है कभी-कभी पूरे देश की आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी की वजह से गृहमंत्रालय दिल्ली पर ध्यान नहीं दे पाता है इसलिए अच्छा रहेगा कि केंद्र शासित प्रदेशों की सुरक्षा का जिम्मा उन्हीं राज्यों को दे दी जाए। उधर शनिवार को बदमाशों ने कारोबारी पर उस वक्त हमला किया जब वह सुबह की सैर करके वापस स्कूटी से घर लौट रहे थे। क्राइम और फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। वारदात के दिल्ली की सियासत गरमा गई है। दिल्ली सरकार ने कानून व्यवस्था के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। दिल्ली के थाना फर्श बाजार इलाके में शनिवार सुबह बदमाशों ने कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी। मामले की सूचना पर तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान सुनील जैन के रूप में हुई है। बताया गया है कि मोटरसाइकिल पर आए दो बदमाशों ने उन्हें गोली मारी है। बदमाशों ने सुनील जैन पर उस वक्त फायरिंग की जब वह फर्श बाजार के यमुना स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स में शनिवार सुबह सैर के बाद घर लौट रहे थे। मृत कारोबारी कृष्णा नगर में रहते थे। दिल्ली सरकार में मंत्री और आप नेता सौरभ भारद्वाज ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा है कि क्राइम कैपिटल- शाहदरा जिले में सुबह ही गोलियों की आवाज गूंज उठी जब बर्तन व्यापारी संजय जैन मॉर्निंग वॉक करके अपनी स्कूटी से घर की तरफ लौट रहे थे तभी बदमाशों ने रोक कर उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दी। इस तरह की घटनायें सरकार के लचार कानून व्यवस्था पर सवालियां निशान भी लगाते हैं। गृह व प्रधानमंत्री को अब भी चेत कर दिल्ली पुलिस को निर्देश देना होगा कि वह राजधानी की कानून व्यवस्था को पटरी पर लाएं और ध्यान रखे कि अब ऐसी घटनाए न घटें।

“ व्यापारियों को किडनैप करके फिरौती मांगी जा ही है। इन सब पर सियासी वार-पलटवार भी शुरू हो गया है। जहां कोई कह रहा है कि दिल्ली की कानून व्यवस्था केंद्र सरकार के जिम्मे है। सबसे ज्यादा जिम्मेदारी गृहमंत्रालय की है। गृहमंत्रालय का दावा है कि सब ठीक है पर दिल्ली की सत्ता में बैठी आप के कुछ लोग जबरदस्ती गलत खबरें फैला रहे हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

घटक दलों से सामंजस्य की बनी रहेगी चुनौती

वेद विलास उनियाल

महाराष्ट्र में अपने विस्तार की इच्छा रखने वाली बीजेपी के लिए विधानसभा के नतीजों के बाद देंवेद्र फडणवीस के नाम पर शीर्ष नेतृत्व की सहमति होना स्वाभाविक था। आखिरकार देवेंद्र फडणवीस ने तीसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे में कुर्सियां बदल गई। हालांकि, प्रचंड बहुमत के बाद महायुति की राज्य सरकार जिस सहजता से बन जानी चाहिए थी उसमें एकनाथ शिंदे को सहमत कराने में 11 दिन लग गए। महायुति के प्रचंड बहुमत का श्रेय देवेंद्र फडणवीस को मिला। उन्होंने हर मोड़ पर शीर्ष नेतृत्व का भी भरोसा जीता। लोकसभा के परिणाम के बाद विधानसभा चुनाव महायुति के लिए काफी कठिन माना जा रहा था। महाविकास अघाड़ी से अकेले ढाई गुना सीट मिलने पर आभास हो गया था अब बीजेपी नेतृत्व अपने पास ही रखेगी।

केवल जातीय समीकरणों की बिसात पर अगर मराठा नेता को नेतृत्व सौंपने की जरूरत होती तब फैसला बदल सकता था। इसके साथ ही यह संदेश दिया है कि पार्टी अपने लक्ष्यों को भूली नहीं है। लोकसभा चुनाव के परिणाम के साथ ही बीजेपी ने महाराष्ट्र पर फोकस कर दिया था। निश्चित आरएसएस भी महाराष्ट्र में सक्रिय हुआ। सीटों के समीकरणों के साथ कार्यकर्ताओं को धरातल पर काम करने के लिए प्रेरित किया गया। सहयोगी दलों के साथ अधिकतम सहमति के सिद्धांत पर काम किया गया। बीजेपी ने जिस सनातन के पहलू पर अपना फोकस किया राज्य में उसकी सबसे बड़ी आवाज देवेंद्र फडणवीस ही बने। बेशक रणनीतियों पर मुहर शीर्ष स्तर पर लगी हो लेकिन इसके सूत्रधार देवेंद्र फडणवीस ही रहे। एनडीए की सफलता में लाड़की बहन योजना, वोट का धुव्रीकरण, मोदी योगी का करिश्मा, अमित शाह का रणनीतिक चातुर्य काम आया हो लेकिन महाराष्ट्र में जीत के प्रांगण को सजाने की असली जिम्मेदारी देवेद्र फडणवीस को ही सौंपी गई थी। देवेंद्र फडणवीस के सामने कई अलग ढंग की चुनौतियां भी थी।

मराठा आरक्षण की सियासत में एनसीपी नेता शरद पवार अगर किसी को उलझाना चाहते थे तो वह देवेंद्र फडणवीस ही थे। बेशक राज्य में एनडीए सरकार ने मराठा आरक्षण के मसले को सुझलाने के लिए अपने स्तर पर पहल कर दी थी। लेकिन मराठा

आंदोलन में कुछ ऐसे जटिल पेंच कसे गए थे कि महाराष्ट्र विदर्भ के इस नेता के लिए यह चक्रव्यूह बन सकता था। फडणवीस ने पार्टी के अंदर और बाहर दोनों मोर्चों पर सधे हुए राजनेता की तरह कदम बढाए। 2014 में पहली बार सत्ता मिली तो उसे बेहतर ढंग चलाने की कोशिश की। महाराष्ट्र के नाटकीय राजनीतिक घटनाक्रम पर सरकार से दूर हुए तो विपक्ष के तेजतर्रार नेता के बतौर अपनी छवि को सामने रखा। बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने शिंदे को सत्ता सौंपने का निर्णय लिया तो अनुशासित कार्यकर्ता की तरह सहमति जताई। शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर वह शिंदे सरकार में डिप्टी सीएम बनने को तैयार हो गए। साथ ही उनकी एकनाथ शिंदे और अजित पवार के साथ भी बेहतर केमिस्ट्री रही। देवेंद्र फडणवीस पार्टी के अंदर विपरीत खेमों को भी अपने ढंग से साधते रहे। बीजेपी इस बात का आकलन करती रही है कि महाराष्ट्र की सियासत में शरद पवार किसी न किसी तरह एक धुरी बने रहते हैं। ऐसे में मराठा नेता शरद पवार के सामने बीजेपी का कोई नेता दमखम से सामने आ सकता था तो प्रमोद महाजन और गोपीनाथ मुंडे के बाद देवेंद्र फडणवीस में यह क्षमता देखी गई। राज्य में नेतृत्व के लिए चंद्रशेखर बावनकुले, विनोद तावड़े चंद्रकांता पाटिल और मुरलीधर मोहोल के नामों की भी चर्चा अलग अलग तरह से चली। लेकिन बीजेपी और संघ ने कई पहलुओं को देखते हुए आखिर देवेंद्र फडणवीस पर ही सहमति बनाई। महायुति के सामने महाविकास अघाड़ी के आकड़े भले ही झूल रहे हों लेकिन यह लड़ाई का अंत नहीं है। सही मायनों में शिवसेना बीजेपी के 1988 में एक मंच पर आने के बाद बीजेपी ने 2014 में एक मुकाम हासिल किया।

2019 में शिवसेना ने महसूस किया कि बीजेपी को नेतृत्व देकर वह सत्ता की भागीदार तो होगी लेकिन उसका संगठन दरकता चला जाएगा। ऐसे में वह कांग्रेस एनसीपी के पाले में जाने के लिए भी तैयार हो गई। लेकिन परिस्थितियां इस तरह बदली कि बगावत से निकली शिंदे शिवसेना धरातल पर भी ज्यादा मजबूत दिखी। इसी तरह एनसीपी अजित की बिसात में असली नकली का खेल ही बदल गया। आगे वर्चस्व बनाने का यह संघर्ष कई कोणों पर दिख सकता है। गौरतलब है कि जिस तरह चुनाव परिणाम के बाद शिंदे शिवसेना के तेवर दिखे हैं उसमें फडणवीस को आगे सजग रहना होगा। एकनाथ शिंदे के डिप्टी सीएम बनने के लिए जिस तरह लंबी कवायद चली उसमें आगे के लिए भी कुछ संकेत मिल जाते हैं।

रोगी की जांच-उपचार में कारगर एआई

राकेश कोचर

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एक डिजिटल कंप्यूटर या रोबोट की वह क्षमता है जो आम तौर पर मनुष्यों के क्रियाकलाप से जुड़ी है, जैसे कि तर्क करना, सामान्यीकरण करने या पिछले अनुभव से सीखने की क्षमता। एआई विशाल मात्रा में डेटा को खंगालकर एल्गोरिदम लक्षणों की पहचान कर सकता है और अभूतपूर्व सटीकता और गति के साथ चिकित्सा परिणामों की भविष्यवाणी कर सकता है। यह चिकित्सकों की इलाज दक्षता को बेहतर बनाने और दुनिया में अत्यधिक दबाव के तले काम कर रही स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों में रोगी को मिलने वाले परिणामों में सुधार कर पाएगा। विश्व आर्थिक मंच की डिजिटल हेल्थकेयर परिवर्तन पहल ने हाल ही में स्वास्थ्य सेवा को दरपेश तीन सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियां - पुरानी बीमारियों का बढ़ता बोझ, दुनिया भर में रोगी के ठीक होने की असमान दर और स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच एवं संसाधन की कमी से निपटने के संभावित तरीकों में एआई को बतौर एक विधा मान्यता दी है।

इसके एक बार आकार लेने के बाद, भारत सरकार का राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन इस पहल के साथ जुड़ जाएगा। स्वास्थ्य सेवा में एआई का उपयोग औद्योगिक एआई से उपजा है, जिसकी उत्पत्ति 1950 के दशक में हुई थी। जॉन मैकार्थी ने 1956 में डार्टमाउथ सम्मेलन में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' शब्द गढ़ा था। वर्ष 1970 के दशक में पहला आर्टिफिशियल मेडिकल कंसल्टेंट इंटरनिस्ट-1 बनने के साथ, एआई काबिलियत वाला सर्वप्रथम चिकित्सा परामर्शदाता नमूना पेश किया गया था। इसने रोगियों के लक्षणों के आधार पर, सर्च एलोरिदम का उपयोग करके क्लिनिकल जांच का निष्कर्ष सुझाया। एआई का आधुनिक युग 2000 के दशक की शुरुआत में वॉयस रिकॉग्निशन फीचर के निर्माण के साथ शुरू हुआ, इसके बाद आईबीएम ने वॉटसन नामक एक प्रश्न-उत्तर प्रणाली और फिर 2020 में जीपीटी मॉडल लॉन्च किए। कंप्यूटिंग शक्ति में गुणात्मक सुधार, तेज डेटा संग्रहण एवं डेटा प्रोसेसिंग, जीनोमिक सिक्वेंसिंग डेटाबेस का विकास और इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड (ईएचआर) सिस्टम के व्यापक इस्तेमाल होने ने स्वास्थ्य सेवा में एआई के विकास में योगदान दिया।

वर्तमान में, एआई में मशीन-लर्निंग, डीप-लर्निंग, नेचुरल लैंग्युएज प्रोसेस और कंप्यूटर विजन जैसी तकनीक और लार्ज लैंग्युएज मॉडल (एलएलएम) जैसे एल्गोरिदम शामिल हैं जो नए कंटेंट को समझने, सारांश देने, नया कंटेंट बनाने और भविष्यवाणी करने के लिए विशाल डेटा का विश्लेषण कर सकते हैं। एआई का व्यापक रूप से परीक्षण किया गया है। एक्स-रे और फोटोग्राफी जैसी चिकित्सा इमेजिंग में इसके उपयोग की काफी संभावना और इसने मधुमेह रेटिनोपैथी, त्वचा कैंसर और फेफड़ों के तपेदिक जैसे लक्षणों की शिनाख्त करने में काफी बढ़िया कर दिखाया है। अल्जाइमर रोग की भविष्यवाणी और निदान करने में सक्षम मशीन मॉडल पेश किया गया है। कैंसर की पहचान, जोखिम स्तर कब बनेगा, दवा की खोज करने और मॉलीकुलर कैरेक्टराइजेशन के लिए एआई उपयोगिता पर काम चल रहा है।

व्यावसायिक रूप से उपलब्ध एंडोस्कोप के उपयोग करते हुए एकीकृत प्रणाली में एआई बायोप्सी सैंपल लेने के लिए सबसे संभावित संदिग्ध बिंदु सुझा सकता है, यहां तक कि इसके कैंसर होने की संभावना के बारे में भी अनुमान दे सकती है। एआई का उपयोग रोगी की हालत के हिसाब से या सटीकता के साथ दवा बताने के लिए किया जा सकता है, यह समय-दक्ष विश्लेषण का उपयोग करते हुए प्रत्येक रोगी के लिए सटीक रूप से भविष्यवाणी कर सकता है, उसकी आनुवंशिकी, मॉलिक्यूरल और ट्यूमर-आधारित प्रवृत्ति को ध्यान में रखकर कौन-सी उपचार विधि सबसे उपयुक्त रहेगी, यह सुझा सकता है। टेलीमेडिसिन का उपयोग करके दूर-दराज इलाकों के मरीजों की ईसीजी रिपोर्ट, एक्स-रे या स्कैन का ऑनलाइन विश्लेषण करने के बाद इलाज संबंधी परामर्श दिया जाता है। एआई एल्गोरिदम मस्तिष्क आघात, इंट्राकैनील हैमरेज और पल्मनरी एम्बॉलिस्म जैसे लक्षणों की पहचान में उपयोगी सिद्ध हो रहा है। शरीर पर धारण किए जाने वाले उपकरण, स्मार्टफोन और इंटरनेट-आधारित तकनीकों का उपयोग रोगियों के हृदय संबंधी डेटा की निगरानी के लिए किया जा सकता है, जिससे हृदय संबंधी खतरे का समय रहते पता लगाने में मदद मिल सकती है।

वर्चुअल असिस्टेंट और वर्चुअल रियलिटी के उपयोग के साथ शिक्षण और प्रशिक्षण में एआई की भूमिका बढ़ रही है। रोग पहचान हेतु परीक्षण, दवा खोज और दवा-दवा के बीच सामंजस्यपूर्ण या फिर प्रतिकूल प्रभावों की भविष्यवाणी करने में एआई का उपयोग पहले से हो रहा है। एआई के कुछ आगामी अनुप्रयोगों में, गूगल की स्वास्थ्य एलएलएम सुविधा शामिल है, जो उपयोगकर्ताओं को उनकी नींद की अवधि, व्यायाम की तीव्रता और हृदय गति की परिवर्तनशीलता आदि के आधार पर व्यक्तिगत स्वास्थ्य परामर्श संदेश देगा। अन्य विकास खोज क्रम में, आईबीएम का वाटसन ऑनकोलॉजी, गूगल का डीपमाइंड प्लेटफॉर्म और माइक्रोसॉफ्ट का हैनोवर प्रोजेक्ट शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका में मेडसोल एआई सॉल्यूशंस नामक एक कंपनी ने स्तन कैंसर का शीघ्र पता लगाने के लिए एक अत्याधुनिक, वाई-फाई-सक्षम अल्ट्रासाउंड जांच विकसित की है। हालांकि, स्वास्थ्य सेवा में जेनरेटिव एआई का उपयोग करने में एक बड़ी चिंता 'मानव स्पर्श' और सहानुभूति की अनुपस्थिति है।

रजाई और कंबल की बिना धूप के ऐसे भगाएं बदबू

सर्दियों के मौसम में ठंडी हवाओं से बचने के लिए लोग ऊनी कपड़े और रजाई व कंबल निकाल लेते हैं। सर्दियां शुरू हो गई हैं तो लोगों ने रजाई व कंबल निकालना शुरू कर दिया है। महीनों बाद बक्से या दीवान में बंद ऊनी कपड़ों के साथ ही रजाई व कंबल से अजीब बदबू आने लगती है। ऊनी कपड़ों को तो आप धुल लेते हैं लेकिन भारी कंबल या रजाई को घर पर धुलना आसान काम नहीं होता है। ऐसे में बदबूदार रजाई- कंबल ओढ़ने का मन नहीं करता है। लेकिन ठंड से बचने के लिए ओढ़ना भी जरूरी है। बदबू दूर करने के लिए रजाई या कंबल में तेज धूप लगानी चाहिए लेकिन सर्दियों में कड़क धूप निकलना जरूरी नहीं, साथ ही धूप के इंतजार में रहने का वक्त भी नहीं होता है। बाहर से ड्राई क्लीनिंग करना महंगा पड़ सकता है। लेकिन कुछ ट्रिक को अपनाकर बिना पैसा खर्च किए कंबल और रजाई की बदबू को दूर किया जा सकता है।

बेकिंग सोडा

रजाई व कंबल को ओढ़ने के लिए सबसे पहले उसकी धूल हटाएं। मोटे डंडे से रजाई या कंबल को पीटकर धूल बाहर निकालें। फिर वैक्यूम क्लीनर का उपयोग करें। अब कंबल या रजाई की बदबू को दूर करने के लिए बेकिंग सोडा का छिड़काव करें। कुछ घंटे बाद वैक्यूम क्लीनर से साफ कर लें। बदबू दूर हो जाएगी। क्योंकि बेकिंग सोडा नेचुरल क्लींजर के साथ ही डिओडराइजर भी है। जो बदबू को आसानी से सोख लेता है। इसके अलावा मोजों की बदबू दूर के लिए आप एक-दो चम्मच बेकिंग पाउडर सॉक्स पर छिड़क दीजिए। अब 30 मिनट तक ऐसा ही छोड़ने के बाद मोजों को अच्छी तरह से झटकार लीजिए। ऐसे में बेकिंग सोडा के साथ बदबू भी हट जाएगी।

कपूर

रजाई या कंबल की बदबू को दूर करने के लिए कपूर की मदद लें। सबसे पहले रजाई या कंबल पर एक कवर चढ़ाएं। कवर के अंदर थोड़ा सा कपूर पीसकर डालें। कुछ देर बाद रजाई व कम्बल से बदबू की जगह कपूर की खुशबू आने लगेगी। इसके अलावा अगर अलमारी से बदबू आ रही है तो सबसे पहले अलमारी को खोलकर रखें और उसमें रखे कपड़ों को बाहर निकालकर तेज धूप में फैला दें। अब अलमारी को सूखे कपड़े से पोंछ दें। अलमारी के दरवाजे खोलकर ही रखें। अब एक साफ पेपर बिछाएं और उसपर कपड़ों को रखें। साथ ही कपड़ों के बीच में कुछ कपूर की गोलियां डाल दें। इससे बदबू दूर हो जाएगी और कीड़े भी नहीं आएंगे।

सफेद सिरका

व्हाइट विनेगर रजाई व कंबल से आने वाली दुर्गंध दूर कर सकता है। किसी स्प्रे बोतल में सिरका भर लें। रजाई या कंबल को फैलाकर विनेगर का छिड़काव करें। धूप में कुछ देर कंबल सूखने के लिए छोड़ दें। कुछ समय में दुर्गंध एकदम गायब हो जाएगी। इसके अलावा इसका उपयोग कपड़ों को प्राकृतिक रूप से बहुत मुलायम बनाने के लिए करते हैं। वहीं कपड़े धोते समय त्वचा की जलन से लेकर संभावित कार्सिनोजेन्स तक की समस्याओं से भी से बच सकते हैं। साथ ही, यह उत्पाद और खनिज बिल्डअप को हटाता है, जो वास्तव में रेशों को मुलायम बनाता है।

गुलाब जल

त्वचा के लिए गुलाब जल फायदेमंद होता ही है लेकिन कंबल या रजाई की बदबू से भी छुटकारा दिला सकता है। कंबल या रजाई को फैलाकर चारों तरफ रोज वाटर का छिड़काव करें। कुछ देर पंखा खोलकर सूखने दें। दुर्गंध गायब हो जाएगी और गुलाब सी खुशबू आने लगेगी। इसके अलावा लौंग और लैवेंडर जैसे एसेंशियल ऑइल की कुछ बूंदे भी कंबल और रजाई को स्मेल फ्री बनाने में आपकी बहुत मदद कर सकती हैं। इस ट्रिक को इस्तेमाल करने के लिए आप रजाई या कंबल पर एसेंशियल ऑइल को छिड़कने के बाद कुछ देर हवा में रहने दें। इससे सीलन की बदबू कुछ वक्त में ही दूर हो जाएगी।

हंसना मना है

शादीशुदा महिला- पंडितजी, मेरे पति हमेशा मुझसे लड़ते रहते हैं। घर की सुख-शांति के लिए कौन-सा व्रत रखूं? पंडितजी- मौन व्रत रखो बेटा, सब बढ़िया होगा!

एक पार्टी में एक सुन्दर सी लड़की एक लड़के के पास गई, लड़की- सुनिए, मेरे एक हाथ में गिलास और दूसरे में प्लेट है, आप मेरे चेहरे से एक चीज हटा देंगे! लड़का-हां हां क्यों नहीं, क्या चीज हटानी है? लड़की- अपनी कुत्ते जैसी नजर!

आदित्य अपनी गर्लफ्रेंड के पिता से मिलने गया, लड़की का पिता- मैं नहीं चाहता कि मेरी बेटी अपनी पूरी जिंदगी एक मूर्ख इंसान के साथ गुजारे। आदित्य- बस अंकल, इसीलिए तो मैं उसे यहां से ले जाने आया हूं। दे जूते.. दे चप्पल!

वाईफ टीवी पर मैच देख रही थी, हसबंड स्मार्ट बनके आया और बोला, डार्लिंग मैं कैसा लग रहा हुं? तभी वाईफ जोर से चिल्लाई, छक्का!

प्रेमिका- मेरा मोबाइल मां के पास रहता है। प्रेमी-अगर पकड़ी गई तो? प्रेमिका- तुम्हारा नंबर बैटरी लो के नाम से सेव कर रखा है। जब भी तुम्हारा फोन आता है तो मां कहती है,'लो चार्ज कर लो। प्रेमी अभी भी कोमा में है!

कहानी | चालाक लोमड़ी

एक जंगल में गधा, लोमड़ी और शेर के बीच अच्छी दोस्ती हो गई। तीनों ने एकदिन शिकार करने के बारे में सोचा। जो भी मिलेगा उसपर तीनों का बराबर हक होगा। कुछ ही दूरी पर उन तीनों को हिरण दिखा। तीनों ने हिरण पर झपट्टा मारने की कोशिश की। उसे देखते ही वो तेजी से दौड़ने लगा। दौड़ते-दौड़ते थककर हिरण कुछ देर के लिए रुक गया। तभी मौका देखकर शेर ने हिरण का शिकार कर दिया। मरे हुए हिरण के तीन हिस्से करने के लिए शेर ने अपने दोस्त गधे को कहा। उसी हिसाब से गधे ने शिकार को तीन बराबर हिस्सों में बांट दिया। ये देखकर शेर को बिल्कुल अच्छा नहीं लगा। वो गुस्से में जोर-जोर से दहाड़े मारने लगा। शेर ने गधे पर हमला करके उसे अपने दांतों और पंजों की मदद से दो हिस्से में बांट दिया। तभी शेर ने एकदम से लोमड़ी को कहा, चलो दोस्त अब तुम इस शिकार का अपना हिस्सा ले लो। लोमड़ी चालाक और समझदार दोनों ही थी। उसने बड़ी ही अकलमंदी के साथ हिरण के शिकार का तीन चौथाई हिस्सा शेर को दे दिया और खुद के लिए एक चौथाई हिस्सा ही बचाया। इस तरह हुए शिकार के हिस्से से शेर काफी खुश हो गया। उसने हंसते हुए लोमड़ी से कहा कि अरे वाह! तुमने एकदम मेरे मन का काम किया है। तुम्हारा दिमाग काफी तेज है।' इतना कहते ही शेर ने लोमड़ी से पूछा, 'तुम इतनी समझदार कैसे हो? तुम्हें कैसे पता चला कि मैं क्या चाहता हूं? तुमने इतना अच्छे से शिकार का हिस्सा लगाना कहां से सीखा है?' लोमड़ी बोली कि आप जंगल के राजा हैं और आपको कैसे हिस्सा लगाना है, ये समझना मुश्किल नहीं है। साथ ही मैंने उस गधे की हालत भी देख ली थी। उसके साथ जो कुछ भी हुआ उससे सीख लेते हुए मैंने ऐसी समझदारी दिखाई है।' जवाब सुनकर शेर काफी खुश हुआ। उसने कहा कि तुम सच में बुद्धिमान हो।

7 अंतर खोजें

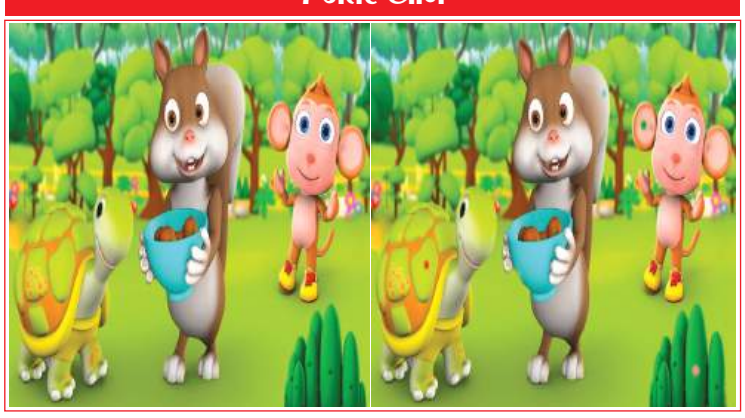

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज किसी भी निर्णय को लेने में अपने विवेक का प्रयोग करें। परिवार के साथ जीवन सुखपूर्वक व्यतीत होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पुराना रोग उभर सकता है।

वृषभ

स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त हो सकती है। लंबे समय से रुके कार्य पूर्ण होने के योग हैं। बड़ा लाभ हो सकता है। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

मिथुन

रुका हुआ पैसा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। राजकीय सहयोग मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ मिलेगा। आलस्य न करें।

कर्क

कोर्ट व कचहरी के काम से छुटकारा मिल सकता है। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। भाग्य की अनुकूलता रहेगी।

सिंह

मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। वरिष्ठ व्यक्तियों का मार्गदर्शन लाभ में वृद्धि करेगा।

कन्या

उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। आत्मसम्मान बना रहेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें।

तुला

आज भेंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है।

वृश्चिक

कोई बड़ी परेशानी आ सकती है। भागदौड़ अधिक होगी। शोक समाचार प्राप्त हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। आय होगी।

धनु

विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। नौकरी में कोई नया काम कर पाएंगे। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त हो सकता है।

मकर

चोट व दुर्घटना से हानि हो सकती है। भ्रम की स्थिति बन सकती है। किसी व्यक्ति के व्यवहार से मन को ठेस पहुंच सकती है। जल्दबाजी न करें। आलस्य हावी रहेगा।

कुम्भ

पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी साधु-संत की सेवा करने का अवसर प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

मीन

आर्थिक उन्नति के लिए नई नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। लंबे समय से रुके कार्य पूर्ण होने के योग हैं, प्रयास करते रहें। आय में वृद्धि होगी।

अनूप जलोटा, शंकर व हरिहरन के कॉन्सर्ट में नोरा फतेही को नो एंट्री

इस साल के आखिरी को भारतीय संगीत में रंगने के लिए त्रिवेणी : थ्री मास्टर परफॉर्मेंस ऑर्गेनाइज किया जा रहा है। इस शो में भारत के तीन दिग्गज सिंगर शामिल होने वाले हैं, जिनमें अनूप जलोटा, शंकर महादेवन और हरिहरन का नाम शामिल है। ये शो अहमदाबाद, इंदौर और दिल्ली में ऑर्गेनाइज किया जाएगा।

हालांकि, इस शो में बॉलीवुड की भी हस्तियों का नाम शामिल किया जा रहा था लेकिन सिंगर ने इसके खिलाफ आपत्ति जताते हुए इनकार कर दिया। एमएच फिल्म्स इस शो को ऑर्गेनाइज कर रहा है, जिसमें तीनों सिंगर नए साल के दौरान संगीत संध्या के नाम पर साथ दिखेंगे। इसी बीच खबर आ रही है कि इस शो में नोरा फतेही और तमन्ना भाटिया के भी शामिल होने की बात हो रही थी। एक सूत्र के मुताबिक, जब ऑर्गेनाइजर मनीष हरिशंकर ने एमएच फिल्म्स से नोरा फतेही और तमन्ना भाटिया जैसे बॉलीवुड हस्तियों को गेस्ट आर्टिस्ट के तौर में शामिल करने की बात रखी, तो तीनों सिंगर अनूप जलोटा, शंकर महादेवन और हरिहरन ने इसे मना कर दिया।

सिंगर ने नोरा फतेही और तमन्ना भाटिया के लिए मना करने की वजह बताते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य भारतीय संगीत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाना है। तीनों ने कहा कि अगर किसी को गेस्ट के तौर पर शामिल करना है तो वो किसी एक्ट्रेस की बजाय किसी ऐसे सिंगर को ही होना चाहिए जो शो की भावनाओं से मेल खाता हो। इस बारे में जब शो के ऑर्गेनाइजर से बात हुई, तो उन्होंने बताया कि शो के लिए उन्होंने दोनों एक्ट्रेस के मैनेजर से बात की थी।

बॉलीवुड | मन की बात

गोविंदा की बेटी टीना आहूजा ने फिल्मों को कहा अलविदा

गोविंदा की बेटी टीना आहूजा ने 2015 में गिप्पी ग्रेवाल और धर्मेंद्र के साथ सेकेंड हैंड हस्बैंड से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। हालांकि वह अभिनय में ज्यादा सफल करियर नहीं बना सकीं, लेकिन टीना कभी-कभी कुछ म्यूजिक वीडियो में काम करती रहीं। वहीं टीना ने हाल ही में एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि उन्होंने एक्टिंग को गुडबाय कह दिया है और साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि वे अब क्या कर रही हैं। टीना आहूजा ने हाल ही में बॉलीवुड बबल को दिए इंटरव्यू के दौरान एक स्टार किड के रूप में उनके सामने आने वाली चुनौतियों का खुलासा किया और कबूल किया कि फिल्मों में उनकी जर्नी उम्मीद के मुताबिक नहीं चल पाई। उन्होंने बताया कि कैसे गोविंदा की बेटी होने की वजह से कुछ हिचकिचाहट के कारण कोई भी कास्टिंग डायरेक्टर उनका ऑडिशन नहीं लेना चाहता था। टीना ने कहा, मैं बहुत जल्दी आगे बढ़ गई क्योंकि, एक समय के बाद, यह मेरे लिए परेशान करने वाला था जब लोग कहते थे, आपके पास घर पर एक इंस्टीट्यूट है, आप इसे बाहर क्यों कर रहे हैं? तो मैं ऐसे थी, आप जानते हैं, यह बहुत परेशान करने वाला है। एक पॉइंट के बाद, मैं ऐसे था, मुझे एक ही सवाल का कितनी बार बार-बार जवाब देना चाहिए? मुझे भगवान की कृपा या उस तरह की किसी भी चीज़ से घर चलाने की ज़रूरत नहीं है। जब टीना से पूछा गया कि क्या उन्हें रियलिटी शो में शामिल होने का ऑफर मिला? इस पर तो उन्होंने कहा, मेरे पास है, लेकिन मैं बहुत कंफर्टेबल नहीं हूं। मैं बहस करने में अच्छी नहीं हूं... मुझे लगता है कि आपकी कला को आपके लिए, आपसे बात करनी चाहिए। मुझे लगता है कि एक अच्छी शॉर्ट फिल्म, एक अच्छा म्यूजिक वीडियो, एक अच्छा प्रोजेक्ट या एक वेब सीरीज जैसी कोई चीज़ बेहतर है, लेकिन आप जानते हैं, जैसे, मैं बहस नहीं कर सकती, मैं यह सब नहीं कर सकती और मुझे नहीं लगता कि मैं अपनी सुबह की रूटिन के बिना पर्सनली सर्वाइव कर सकती हूं।

मैंने कभी भी विकी गोस्वामी के साथ शादी नहीं की: ममता कुलकर्णी

बॉलीवुड पर एक वक्त पर राज करने वाली एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी हाल ही में भारत वापस आ गईं हैं। ममता 90 की दशक की बेहतरीन अदाकाराओं में से एक थीं, लेकिन उस वक्त कई सारे विवादों में उनका नाम जुड़ने लगा था। हाल ही में एक्ट्रेस ने एक वीडियो शेयर करने के साथ बताया कि वो लगभग 25 साल के बाद भारत वापस आई हैं। इतने लंबे वक्त के बाद वापस आने से ममता एक बार फिर चर्चा का विषय बन चुकी हैं। इसी बीच उन्होंने खुद से जुड़े कई बड़े खुलासे भी किए हैं।

ममता कुलकर्णी राम लखन,

करण अर्जुन, सबसे बड़ा खिलाड़ी जैसी फिल्मों में अपने बेहतरीन एक्टिंग से लोगों का दिल जीतने के बाद विवादों में घिर गई थीं। कुछ वक्त के बाद उन्होंने देश भी छोड़ दिया था, अब इतने सालों के बाद वापस आने पर एक्ट्रेस ने खुशी जाहिर की है। वापस आने के साथ ही उन्होंने कई विवादों से पर्दा भी उठाया है। दरअसल एक्ट्रेस को लेकर चर्चा थी कि वो ड्रग डिलर विकी गोस्वामी के साथ शादी कर चुकी हैं। हालांकि अब उन्होंने इससे इनकार कर दिया है।

ममता से जब उनकी शादी के बारे में पूछा गया तो, ममता ने बताया कि उन्होंने कभी भी विकी के साथ शादी नहीं की थी। हालांकि, इंटरव्यू में उन्होंने माना कि विकी के साथ वो रिश्ते में थीं, वो उनके पति नहीं हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि पिछले चार सालों से उन्होंने विकी को ब्लॉक किया है। ममता ने विकी के बारे में बात करते हुए उन्हें अपने अतीत का एक हिस्सा बताया है।

दरअसल, विकी को साल 1997 में अवैध ड्रग ट्रैफिकिंग के लिए जेल जाना पड़ा था, उस वक्त उन्हें 10 साल की सजा हुई थी। उस वक्त खबर थी कि ममता उनसे अक्सर जेल में मिलने जाया करती थीं और उसी दौरान दोनों की शादी की खबर भी आने लगी थी। इंटरनेशनल ड्रग रैकेट में ममता का भी नाम सामने आया था।

क्या आप जानते हैं सांपों के ये अनजाने रहस्य, एक दिन में इतना बनाते हैं जहर

खरगोन। भारत में सांपों की सैकड़ों प्रजातियां हैं। इनमें से कुछ जहरीली हैं, तो अधिकांश में जहर नहीं होता। कोबरा, रसैल वाइपर, करैत और सॉ स्केल्ड वाइपर यह चार ऐसी प्रजातियां हैं, जो मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा जहरीली मानी जाती हैं। इनके काटने पर व्यक्ति को समय पर इलाज नहीं मिले तो मौत निश्चित है। ऐसे में सांपों को लेकर कई मिथक और धारणाएं प्रचलित हैं, जिनमें से एक यह भी है कि सांपों में जहर पैदा करने की क्षमता कितनी होती है और इंसानों को काटने पर वे कितना जहर छोड़ते हैं। इनमें कइयों का मत है कि सांपों के पास जहर का असीमित भंडार है। सांपों की विभिन्न प्रजातियां दिनभर में अलग-अलग मात्रा में जहर पैदा करती हैं। सांपों का जहर उनकी विष ग्रंथियों में निर्मित होता है और यह एक जटिल मिश्रण होता है। जिसमें प्रोटीन, एंजाइम और टॉक्सिन्स जैसे तत्व शामिल होते हैं। **सांपों में जहर उत्पादन की क्षमता :1. कोबरा :** कोबरा जैसे विषैले सांप एक दिन में औसतन 100-200 मिलीग्राम जहर उत्पन्न कर सकते हैं। **2. रसैल वाइपर :** रसैल वाइपर प्रजाति के सांपों में एक दिन में 50-100 मिलीग्राम औसतन जहर उत्पादन प्रतिदिन होता है। **3.करैत :** करैत प्रजाति के सांप लगभग 10-15 मिलीग्राम जहर प्रतिदिन उत्पन्न करते हैं। **4. सॉ स्केल्ड वाइपर :** सॉ स्केल्ड वाइपर प्रजाति एक दिन में औसतन 5-10 मिलीग्राम जहर उत्पादन करते है। हालांकि, विशिष्ट परिस्थितियों में कम ज्यादा हो सकता है।

सांपों में जहर छोड़ने की मात्रा

सांप जब इंसान या शिकार को काटता है तो वह जहर छोड़ता है। जहर की मात्रा कई कारकों पर निर्भर करती है, जिसमें सांप की प्रजाति, आकार, और काटने की तीव्रता शामिल है। **1.कोबरा :** कोबरा एक बार काटने में औसतन 5-30 मिलीग्राम जहर छोड़ सकता है। यह जहर तंत्रिका तंत्र पर प्रभाव डालता है और यदि समय पर उपचार न किया जाए तो घातक हो सकता है। **2.रसैल वाइपर :** वाइपर का एक काटने में 15-50 मिलीग्राम जहर हो सकता है। यह जहर रक्त परिसंचरण और ऊतकों पर असर डालता है, जिससे गंभीर सूजन और रक्तस्राव हो सकता है। **3. करैत :** करैत द्वारा एक बार काटने में 5-7 मिलीग्राम जहर छोड़ा जा सकता है। क्योंकि इसके दांत छोटे होते है। यह जहर तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है और बेहद खतरनाक हो सकता है।

अजब-गजब | इस अघोरी किले का है तिलिस्मी इतिहास

यहां सच्चे मन से की प्रार्थना तो मूर्तियों पर चिपक जाते हैं सिक्के

यूपी के सोनभद्र जिले से लगभग 30 किलोमीटर दूर स्थित अघोरी किले की प्राचीन मूर्तियों के रहस्य ने सदियों से लोगों को हैरान कर रखा है। इन मूर्तियों पर सिक्के बिना किसी केमिकल, गोंद या उपकरण के चिपक जाते हैं। यह रहस्य और भी गहराता है जब कुछ लोगों के सिक्के चिपकते हैं और कुछ के नहीं।

सोनभद्र में ऐसी कई अविश्वसनीय और अकल्पनीय कहानियां हैं। लेकिन अघोरी किले की इन मूर्तियों की कहानी अनोखी है। स्थानीय लोग इसे आस्था से जोड़कर देखते हैं। जब मीडिया की टीम ने वहां मौजूद लोगों से बात की, तो उन्होंने बताया कि ये मूर्तियां हजारों साल पुरानी हैं। लोगों का मानना है कि सच्चे मन से जो भी इन मूर्तियों से अपनी मनोकामना मांगता है, उसका सिक्का मूर्ति पर चिपक जाता है। वहीं, जिनके सिक्के नहीं चिपकते, उन्हें यह संकेत माना जाता है कि उनकी प्रार्थना में सच्चाई या श्रद्धा की कमी है। जिनके सिक्के चिपकते हैं, वे मानते हैं कि उनकी मनोकामना अवश्य पूरी होगी। यह चमत्कारिक घटना लोगों को न केवल हैरान करती है, बल्कि उनकी श्रद्धा को और भी मजबूत बनाती है।

सोनभद्र के मध्य में स्थित अघोरी किले का इतिहास तिलिस्मी और रहस्यमय है। यहां के रहस्यों में मूर्तियों पर सिक्कों के चिपकने की यह घटना सबसे अनोखी मानी जाती है। जब मीडिया की टीम ने खुद इस घटना को परखा, तो पहले प्रयास में सिक्का नहीं चिपका। लेकिन स्थान बदलने और प्रार्थना करने के बाद, वास्तव में सिक्का मूर्ति पर चिपक गया। यह नजारा हमारे लिए भी हैरान करने वाला था। हालांकि वैज्ञानिक दृष्टिकोण से इस घटना की व्याख्या अलग हो सकती है, लेकिन स्थानीय लोगों के लिए यह उनकी आस्था का प्रतीक है। उनका विश्वास है कि यह चमत्कार भगवान की कृपा का संकेत है। हालांकि इसका कोई आधार नहीं है। लेकिन इसी विश्वास के साथ वहां पहुंचते हैं।

इस रहस्यमय घटना को देखने और खुद आजमाने के लिए दूर-दूर से लोग यहां आते हैं। अघोरी किला पर्यटन की दृष्टि से भी एक महत्वपूर्ण स्थान बन चुका है। बाहर से आने वाले पर्यटक यहां की ऐतिहासिकता और इस अनोखी घटना को देखने में खास रुचि दिखाते हैं। चाहे यह एक वैज्ञानिक कारण हो या आस्था का चमत्कार, यह स्थान हर टूरिस्ट के लिए एक खास अनुभव देता है।

आप के वोटरों का नाम कटवा रही भाजपा

केजरीवाल बोले- उसे डर है जनता फिर देगी आप को वोट

» केजरीवाल का पुष्पा स्टाइल पोस्टर बना आकर्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में लोगों के वोट कटने पर भाजपा पर फिर से निशाना साधा। केजरीवाल ने शाहदरा विधानसभा के आंबेडकर कैंप सहित अन्य इलाकों में रह रहे लोगों से की वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर कर दावा किया कि भाजपा चुन-चुनकर लोगों के वोट कटवा रही है। शाहदरा के एक ही इलाके के 300 से ज्यादा लोगों के वोट काट दिए गए जो 20-30 सालो से वहाँ रह रहे हैं, वो भी केवल बीजेपी के बीएलए की शिकायत पर। जिन लोगों के वोटर लिस्ट से नाम कटे हैं, वो खुद कह रहे हैं कि शायद उनको पता चल जाता होगा कि हम लोग केजरीवाल को वोट देते हैं।

अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट कर कहा कि एक ही परिवार के तीन सदस्यों के नाम काट दिए गए, नाम काटने वाली लिस्ट पर मुहर और हस्ताक्षर भाजपा के बीएलए के हैं। भाजपा क्यों पूरी प्लानिंग से गरीब लोगों के वोट कटवा रही है। 20 साल से एक व्यक्ति उसी पते पर और उसी घर में रह रहा है, ना उनकी मृत्यु हुई और ना ही वो शिफ्ट हुए, फिर भी वोटर लिस्ट से नाम काट दिया गया। आप का दावा है कि केजरीवाल के खुलासे के बाद से सभी परेशान हैं। कुछ समय पहले उन्होंने दावा किया था कि भाजपा साजिश के तहत आप समर्थकों के वोट कटवा रही है। शाहदरा विधानसभा क्षेत्र से 11 हजार से अधिक वोटरों के नाम लिस्ट से हटाने के लिए भाजपा ने चुनाव आयोग में आवेदन किया है। दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच में पोस्टर वार शुरू हो चुका है। जहां एक तरफ भाजपा अपने पोस्टरों में दिल्ली सरकार के घोटलों को लेकर घेरने में लगी है वहीं आम आदमी पार्टी भी इसके पलटवार में पोस्टर जारी करने लगी है। इस बार आम आदमी पार्टी का पुष्पा फिल्म वाला पोस्टर चर्चा में है। आम आदमी पार्टी ने एक पोस्टर जारी किया है, जिसमें अरविंद केजरीवाल को अभी हाल ही में रिलीज हुई मूवी पुष्पा के स्टाइल में खड़े हुए हैं। पोस्टर में केजरीवाल को हाथ में झाड़ू को पकड़े हुए दिखाया है। साथ ही लिखा है कि केजरीवाल झुकेगा नहीं, केजरीवाल का चार टर्म कमिंग सून भी लिखा है।

भाजपा का पोस्टर भी जारी, नहीं सहेंगे, बदल के रहेंगे

दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा अपनी तैयारियों में जुट गई है। दिल्ली में 70 सीटों के लिए 2025 के जनवरी-फरवरी में चुनाव हो सकते हैं। महाराष्ट्र और हरियाणा में जीत के बाद भाजपा का उत्साह बढ़ा हुआ है। राजधानी में भाजपा ने आप को चुनावी चैलेंज देने के लिए 'नहीं सहेंगे, बदल के रहेंगे' का नारा दिया है। वहीं, प्रदेश कार्यालय में दिल्ली विधानसभा चुनाव-2025 के लिए चुनावी कार्यालय का उद्घाटन किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष विरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली को बदहाली से खुशहाली की ओर लेकर जाना है, इसलिए अब नहीं सहेंगे, बदल के रहेंगे।

इस बार दिल्ली के लोग आप को करेंगे बाहर : मनोज तिवारी

बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि दिल्ली के लोगों ने तय कर लिया है कि वे दिल्ली में कैंसर पैदा करने वाला प्रदूषित पानी, वायु प्रदूषण, पेंशन बंद होना, राशन कार्ड न बनना, सीएम का भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं करेंगे। 5 साल में बीजेपी दिल्ली की जनता का हर अधिकार सुनिश्चित करेगी। केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि दिल्ली के लोगों ने फैसला किया है कि वे दिल्ली के प्रदूषित पेयजल, जहरीली हवा, स्कूलों में प्रिंसिपलों और शिक्षकों की कमी, सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों और दवाओं की कमी या मोहल्ला क्लीनिकों को कूड़े के ढेर में तब्दील होते बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि लोग केजरीवाल की जगह बीजेपी का सीएम बनाएंगे। पूर्व आप नेता और दिल्ली के मंत्री कैलाश गहलोत सहित भाजपा की दिल्ली इकाई के चुनाव घोषणापत्र पैनल ने कई निवासी कल्याण संघों (आरडब्ल्यूए) के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

जौनपुर के फाइनेंस कर्मी का शव मिलने से हड़कंप

» बकाया वसूली के लिए निकला था युवक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दोस्तपुर। स्थानीय थानाक्षेत्र के रिहायकपुर के देवरपुर गांव में सोमवार की सुबह जौनपुर जिले के निवासी एक फाइनेंस कर्मी व्यक्ति का शव मिलने से हड़कंप मच गया। खबर फैलते ही आस-पास के ग्रामीणों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गयी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक सोमवार की सुबह जब ग्रामीण खेतों की तरफ निकले तो युवक का शव देखा, युवक के चेहरे को किसी भारी वस्तु से चोटिल करके पहचान से बचाने का भी प्रयास किया गया है तो वहीं उसके सिर पर भी गंभीर चोटों के निशान हैं।

मृतक एलएनटी फाइनेंस कंपनी की कादीपुर स्थित शाखा में वसूली का काम करते थे। वह बकाया वसूली के लिए बीते रविवार की शाम कादीपुर थाना क्षेत्र के पलिया गोलपुर गाँव में किसी के घर गए थे। जानकारी के मुताबिक फाइनेंस कंपनी में काम करने वाले जौनपुर के कुट्ठपुर छंगापुर निवासी सूरज शुक्ल पुत्र गुलाबचंद शुक्ल का शव दोस्तपुर थाने के देवरपुर के पास सोमवार तड़के मिला। मृतक के सिर पर किसी भारी वस्तु के प्रहार से मृत्यु की आशंका जताई जा रही हैं। कंपनी के शाखा इंचार्ज नीरज गौतम के मुताबिक मृतक जिसके घर वसूली पे गया था उनसे जब सात बजे बात की गई तो पता चला कि वहां से लगभग साढ़े छः बजे ही मृतक जा चुका था।

फाइल फोटो

सिर्फ हवाबाजी करते हैं डिप्टी सीएम: तेजस्वी

» बोले- विजय कुमार सिन्हा में उपमुख्यमंत्री का कोई गुण नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा पर तीखा हमला बोला। तेजस्वी ने इस अवसर पर लखीसराय के युवा राष्ट्रीय जनता दल कार्यालय का उद्घाटन किया और फिर कार्यकर्ता सम्मेलन में भाग लिया। यहां उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर अपनी पार्टी की रणनीति और संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में तेजस्वी यादव का भव्य स्वागत किया गया।

तेजस्वी ने नीतीश कुमार द्वारा 15 दिसंबर से शुरू की जा रही महिला संवाद यात्रा पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इस यात्रा पर राज्य सरकार 250 करोड़ रुपये खर्च कर रही है, जो जनता के पैसों की बर्बादी है। उन्होंने इसे राज्य के लोगों के हितों के खिलाफ बताया और इस योजना की आलोचना की। तेजस्वी ने लखीसराय के क्षेत्रीय विधायक और उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि विजय कुमार सिन्हा में एक भी उपमुख्यमंत्री का गुण नहीं दिखाई देता। अब तक उन्होंने अपने क्षेत्र या राज्य के लिए क्या किया है? सिर्फ हवा बाजी करते फिरते हैं। यह बयान उस समय आया जब तेजस्वी से विजय सिन्हा के कामकाज पर सवाल किया गया था।

बिगड़ी स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर तेज प्रताप बिफरे

बिहार की बिगड़ी स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने बिहार के लोगों को सरकारी अस्पताल में इलाज नहीं करवाकर प्राइवेट नर्सिंग होम में इलाज करवाने की बात कही है। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री महिलाओं को अपमान कर रहे हैं। तो वो कैसे महिला संवाद यात्रा निकाल सकते हैं। तेज प्रताप ने दावा किया है कि जिस तरीके से झारखंड चुनाव के नतीजे देखने को मिले हैं, वैसी ही स्थिति बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में देखने को मिलेगी और बिहार की चुनाव जीतेंगे। दरअसल, तेज प्रताप यादव हाजीपुर जौहरी बाजार स्थित एक निजी अस्पताल का उद्घाटन समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। तेज प्रताप ने कहा कि बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था बद से बदतर हो गई है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री की स्थिति डामाडोल हो गई है। इसी को लेकर मरीज सरकारी अस्पताल में इलाज करवाने के लिए जाना नहीं चाह रहे हैं और सभी प्राइवेट अस्पतालों के तरफ रुख मोड़ रहे हैं। इसीलिए उन्होंने प्राइवेट अस्पताल संचालकों को बेहतर सुविधा देने की बात कही है। बीपीएससी में नॉर्मलाइजेशन लागू करने को लेकर बीएससी अभ्यर्थियों के द्वारा पटना में किए गए प्रदर्शन के बाद अभ्यर्थियों पर हुए लाठी चार्ज को लेकर तेज प्रताप यादव ने कड़ी निंदा व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि जब आदमी का अंतिम समय आता है तब बुद्धि भ्रष्ट हो जाती है।

ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज की 1-1 से बराबर

» एडिलेड टेस्ट में 10 विकेट से भारत को हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में खेले गए दूसरे टेस्ट में भारत को 10 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही कंगारू टीम ने सीरीज में वापसी की है और पांच मैचों की सीरीज को फिलहाल 1-1 से बराबर कर दिया है। पहले बैटिंग करते हुए टीम इंडिया ने 180 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 337 रन बनाए और 157 रन की बढ़त हासिल की।

भारत की दूसरी पारी 175 रन पर समाप्त हुई और रोहित एंड कंपनी ने 18 रन की बढ़त हासिल की। 19 रन के लक्ष्य को ऑस्ट्रेलिया ने बिना कोई विकेट गंवाए हासिल कर लिया। उस्मान ख्वाजा नौ रन और मैकस्वीनी 10 रन बनाकर नाबाद रहे। पहला टेस्ट भारतीय टीम ने 295 रन से अपने नाम किया था। रोहित की कप्तानी में टीम इंडिया की यह टेस्ट में लगातार चौथी हार है। इस सीरीज के पहले टेस्ट में बुमराह ने कप्तानी की थी। रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफव पिछली सीरीज में कप्तानी की थी। कीवियों ने भारत को उसके घर में 3-0 से हराया था। इसी के साथ रोहित पहली बार लगातार चार टेस्ट हारे हैं। इस मामले में उन्होंने विराट कोहली और धोनी की बराबरी कर ली। बता दें टीम इंडिया ने रविवार को पांच विकेट पर 128 रन से आगे खेलना शुरू किया और 47 रन बनाने में बाकी बचे पांच विकेट गंवा दिए। टीम को पंत के रूप में पहला और ओवरऑल छठा झटका लगा। वह 28 रन बना सके। इसके बाद अश्विन सात रन बनाकर पवेलियन चलते बने। हर्षित राणा खाता नहीं खोल सके लेकिन नीतीश ने छोटी मगर उपयोगी पारी खेली। वह 47 गेंद में छह चौके और एक छक्के की मदद से 42 रन बनाए। वह टीम इंडिया की ओर से हाईएस्ट स्कोरर रहे।

रोहित की कप्तानी में टीम की लगातार चौथी हार

बांग्लादेश बना अंडर-19 एशिया कप विजेता

दुबई। अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में रविवार को भारत का सामना बांग्लादेश से हुआ। बांग्लादेश ने भारत को अंडर-19 एशिया कप के फाइनल मैच में 59 रन से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। इस मैच में बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 198 रन बनाए। जवाब में भारत 35.2 ओवर में 10 विकेट पर 139 रन ही बना सका। बांग्लादेश ने लगातार दूसरी बार अंडर-19 एशिया कप का खिताब अपने नाम करने में कामयाबी हासिल की। इससे पहले उन्होंने पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की 195 रन से हराया था। बता दें कि, यह अंडर-19 एशिया कप का 11वां सीजन है। भारतीय टीम ने आठ बार इस टूर्नामेंट का खिताब जीता है।

शीतकालीन सत्र : लोस-रास में भारी हंगामा

दूसरी बार स्थगित हुई दोनों सदनों की कार्यवाही

» भाजपा व कांग्रेस में वार-पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के 11वें दिन यानी सोमवार को भी लोकसभा और राज्यसभा में जोरदार हंगामा देखने को मिला। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं राज्यसभा में भी नोकझोंक देखने को मिली। दोनों सदनों में अदाणी और जॉर्ज सोरोस-सोनिया गांधी के बीच सांठगांठ मामले पर हंगामा देखने को मिला। राज्यसभा में हंगामे के बीच विपक्ष की ओर से सदन चलाने की दुहाई दी जाती रही तो वहीं ट्रेजरी बेंच आक्रामक नजर आया। इसी बीच आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने जब परंपरा और पारित प्रस्ताव का हवाला देते हुए यह कहा कि सदन में प्रश्नकाल और शून्यकाल की कार्यवाही चलनी चाहिए, ऐसा हम चाहते हैं।

दो मुखौटाधारियों से नेता प्रतिपक्ष ने की बातचीत

इस पर सभापति जगदीप धनखड ने कुरुक्षेत्र दौरे का जिक्र करते हुए महाभारत के संजय का जिक्र कर मजाकिया अंदाज में जवाब दिया। राहुल गांधी ने संसद परिसर में पीएम नरेंद्र मोदी और गौतम अडाणी का मुखौटा पहने सांसदों से बातचीत की। राहुल ने सांसद से पूछा कि आप क्या बोल रहे हो? इस पर अडाणी का मुखौटा पहने सांसद ने कहा कि कुछ भी चाहता हूं। एयरपोर्ट चाहिए। राहुल ने पूछा कि अगला क्या लेने की कोशिश कर रहे हो? मुखौटा लगाए सांसद ने कहा कि हमारा विजन साफ है। वो हमारा एक्रुअली मीटिंग शाम को है। इस पर राहुल जोर से हंसे। बगल में खड़े एक अन्य सांसद ने कहा कि भैया, ये पार्लियामेंट को छोड़ देना। राहुल ने पूछा कि फ्यूचर कैसा है? राहुल ने मोदी का मुखौटा लगाए सांसद की तरफ मुखातिब होते हुए पूछा कि ये आजकल कम बोलते हैं। इस पर अडाणी का मुखौटा लगाए सांसद ने कहा कि ये आजकल थोड़ा टेंशन में हैं।

कांग्रेस की फंडिंग को लेकर बीजेपी का हंगामा

संसद में भाजपा कांग्रेस की फंडिंग को लेकर हंगामा कर सकती है। दरअसल, भाजपा ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ऐसे संगठन से जुड़ी हैं, जो कश्मीर को भारत से अलग करने की वकालत करता है। इस संगठन को जॉर्ज सोरोस फाउंडेशन की तरफ से फंडिंग मिलती है। इस संगठन का नाम फोरम ऑफ डेमोक्रेटिक लीडर्स इन एशिया पेसिफिक है। सोनिया इसकी सह-अध्यक्ष हैं।

राज्यसभा में अचानक होने लगी महाभारत और धृतराष्ट्र की बात

सभापति धनखड़ ने कहा, कल मैं अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में शामिल होने के लिए कुरुक्षेत्र गया था और वहां मुझे संजय की याद आई। तब कैसे संजय ने पूरा महाभारत देखकर धृतराष्ट्र को सुनाया था। यहां भी संजय हैं और इन्होंने भी पांच दिन देखा है कि सदन की कार्यवाही को किस तरह से बाधित किया गया, चलने नहीं दिया गया। संजय सिंह इस बार वेल में नहीं आए लेकिन देखा है कि कैसे बार-बार सदन को स्थगित करा दिया गया।उन्होंने आगे कहा कि सांसदों के इतने अहम मुद्दे लगे हैं। इस पर सदस्यों ने भी सहमति जताई कि बाधा ना डाली जाए। इस पर सभापति धनखड़ ने उन्हें टोका और कहा, सोचिए मुझे कितनी पीड़ा होती होगी। जो आप बात कह रहे हैं उसे आप ही पहले भूल गए। किसी भी तरफ से रुकावट डाली जाए चाहे इधर से या उधर से मेरे दिल को चोट लगती है।

किसानों के प्रदर्शन की वजह से बाधित राजमार्ग खोलने की मांग

» सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में किसानों के प्रदर्शन की वजह से बाधित राजमार्गों को खोलने की मांग को लेकर एक याचिका दायर की गई है। शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर अपलोड की गई 9 दिसंबर की वाद सूची के मुताबिक, जस्टिस सूर्यकांत के नेतृत्व वाली पीठ याचिका पर सुनवाई करेगी। याचिका में कोर्ट से केंद्र और अन्य जिम्मेदारों को पंजाब में किसानों के प्रदर्शन की वजह से अवरुद्ध राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों को तुरंत खोलने का निर्देश दिए जाने की अपील की गई है। दरअसल, संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले दिल्ली कूच को सुरक्षाबलों की ओर से रोके जाने के बाद किसान 13 फरवरी से पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू और खनौरी बॉर्डर पर डेरा डाले हुए हैं।

पंजाब निवासी एक सामाजिक कार्यकर्ता की ओर से शीर्ष अदालत में याचिका दायर की गई है। याचिका में कहा गया है कि किसानों और किसान संगठनों को दिल्ली जाने से रोका जा रहा है। इसके बाद उन्होंने पंजाब में पूरे राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों को अनिश्चितकाल के लिए अवरुद्ध कर दिया है। ऐसे में किसानों के प्रदर्शन पर प्रतिबंध हटाने और यह सुनिश्चित करने के लिए केंद्र और अन्य को निर्देश दिया जाए कि आंदोलनकारी किसानों की ओर से राष्ट्रीय राजमार्गों और रेलवे पटरियों को अवरुद्ध न किया जाए। याचिका में कहा गया है कि पंजाब और पड़ोसी राज्यों के लोगों को बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

फोटो :4 पीएम

रक्तदान शिविर

लखनऊ कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी का जन्मोत्सव मनाया गया। जन्मदिन के असवर पर कांग्रेस मुख्यालय पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया।

हमारा हिंदुत्व हृदय में राम व हाथ को काम: आदित्य

» ठाकरे ने समाजवादी पार्टी की महाराष्ट्र इकाई को बताया भाजपा की बी टीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के विधायक आदित्य ठाकरे ने समाजवादी पार्टी के नेता अबू आज़मी पर निशाना साधा है। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर महाराष्ट्र में भाजपा की बी टीम के तौर पर व्यवहार करने का आरोप लगाया। बता दें, आदित्य की प्रतिक्रिया आजमी की एमवीए छोड़ने की घोषणा के एक दिन बाद आयी है। आदित्य ने कहा, मैं उन पर ज्यादा टिप्पणी नहीं करना चाहूंगा।

अखिलेश यादव अपनी लड़ाई लड़ रहे हैं, लेकिन यहां सपा की महाराष्ट्र इकाई कभी-कभी भाजपा की बी टीम की तरह व्यवहार करती है। हमारा हिंदुत्व स्पष्ट है। हमारा हिंदुत्व हृदय में राम और हाथ को काम के बारे में है। महाराष्ट्र ने देखा है कि उद्धव ठाकरे ने सभी को एक साथ आगे बढ़ाया। बता दें सपा के अबु आजमी ने खुद को महविकास आघाड़ी से अलग करने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि सपा को महाराष्ट्र में अकेले चलना गवारा है, लेकिन शिवसेना (यूबीटी) की सांप्रदायिक विचारधारा का हिस्सा बनना हरगिज गवारा नहीं।

आदित्य के आरोप पूरी तरह गलत : रईस शेख

आदित्य ठाकरे की टिप्पणी पर समाजवादी पार्टी के विधायक रईस शेख ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, हमने दो सवाल उठाए हैं। पहला, क्या आप कट्टर हिंदुत्व विचारधारा की ओर बढ़ रहे हैं? दूसरा, हमने पूछा कि आपको वोट किसने दिए? इन बिंदुओं को स्पष्ट किए बिना आदित्य ने ऐसा आरोप लगाया है जिसका हम कड़ा विरोध करते हैं। यह गलत है और हम इस बारे में वरिष्ठ नेताओं से बात करेंगे।

बीजेपी को झूठे आरोप लगाने की आदत : रामगोपाल

» सोनिया गांधी पर लगे आरोपों पर सियासी कोहराम

» भाजपा ने कांग्रेस व राहुल को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीजेपी ने कांग्रेस की वरिष्ठ नेता व पूर्व अध्यक्षा सोनिया गांधी पर आरोप लगाया कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष का संबंध जॉर्ज सोरोस फाउंडेशन द्वारा वित्तपोषित एक संगठन से है, जिसने कश्मीर के एक स्वतंत्र राष्ट्र के विचार का समर्थन किया है। केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी ने 'एक्स' पर कहा कि यह संबंध भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी संस्थाओं के प्रभाव को दर्शाता है।

इन आरोपों पर समाजवादी पार्टी समेत कइ विपक्षी दलों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। सपा सांसद रामगोपाल यादव ने बीजेपी के द्वारा लगाए गए आरोपों पर कहा, बीजेपी की झूठ आरोप लगाने की आदत बन चुकी है, कुछ नहीं तो कुछ न कुछ लगाएंगे ही, सभी आरोप अभी तक झूठे निकले हैं कोई सत्य नहीं निकला है। जबकि केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, सोनिया गांधी और राहुल गांधी देशद्रोह का काम करते हैं, जॉर्ज सोरोस के मिलकर उनकी भाषा यहां राहुल गांधी बोलते हैं, राहुल गांधी की भाषा वहां सोरोस बोलते है। इस बीच, भारत को अस्थिर करने के प्रयास संबंधी भाजपा के आरोपों को अमेरिका द्वारा खारिज किए जाने के बीच पार्टी सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि वह इस मुद्दे पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से 10 सवाल पूछेंगे। दुबे ने कहा कि मीडिया पोर्टल ओसीसीआरपी और हंगरी मूल के अमेरिकी व्यवसायी जॉर्ज सोरोस ने भारत की अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने और मोदी सरकार को बदनाम करने के लिए विपक्ष के साथ सांठगांठ की है।

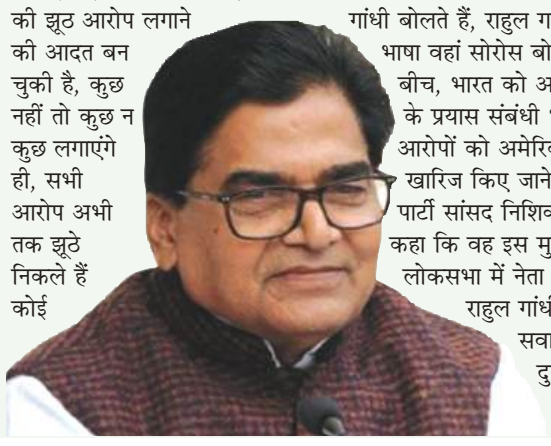

गंभीर मामलों पर राजनीति न हो : किरण रिजिजू

केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने जोरदार हमला बोला। किरण रिजिजू ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है जिसे मैं राजनीति से इतर उठाना चाहता हूं।उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी और जॉर्ज सोरोस के बीच सांठगांठ की जो बाते उजागर हुई है वो गंभीर मामले हैं। कांग्रेस पार्टी और उसके नेता राहुल गांधी के अमेरिकी कारोबारी जॉर्ज सोरोस से संबंध होने और उन पर देश की सरकार और संसद को अस्थिर करने के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आरोपों पर विपक्ष के हंगामे के कारण शुक्रवार को संसद में भी हंगामा देखने को मिला था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।